आपदा में अवसर : ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बेचने वाले 5 फ़रीदाबाद में गिरफ्तार

फरीदाबाद, (ममो) कोरोना महामारी के इस दौर में जहां पूरा विश्व महामारी से जूझ रहा है वहीं कुछ लोग इस आपदा को भी अवसर बनाने में जुटे हुए हैं। कोरोना महामारी की दूसरी लहर में जहां लोग अपना जीवन बचाने की मशक्कत में लगे हुए हैं वहीं कुछ लोग ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बेचने के नाम पर लोगों की बची खुची जमा पूंजी भी उड़ा ले रहे हैं।

फरीदाबाद के साइबर थाना की टीम ने इसी प्रकार लोगों के साथ ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के नाम पर धोखाधड़ी करने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश करते हुए गिरोह के 5 सदस्यों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विशाल उर्फ रोहदास, नीतीश अभिनव, चंद्रशेखर और ललित का नाम शामिल है जिसमें आरोपी विशाल उर्फ रोहदास अलीगढ़ के इगलास थाना का नाम वहां के टॉप 10 अपराधियों में शामिल है जिसके खिलाफ बलात्कार, हत्या, लड़ाई झगड़ा, अवैध हथियार सहित 13 मुकदमे दर्ज हैं जिसमें वह कई बार जेल भी जा चुका है।

पुलिस द्वारा इन 5 आरोपियों में से दो आरोपियों नीतीश और अभिनव को 1 हफ्ते पहले ही गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया था और अन्य तीन आरोपियों को पुलिस ने कल गिरफ्तार कर लिया। कोरोना से जूझ रहे मरीजों के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की आवश्यकता होती है जिसकी इस समय मार्केट में बहुत ज्यादा किल्लत चल रही है जिसके चलते लोगों को ऑक्सीजन कंसंट्रेटर का प्रबंध खुद से करना पड़ता है।जब कड़ी मशक्कत करने के पश्चात भी लोगों को कंसंट्रेटर उपलब्ध नहीं हो पाता तो वह ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बेचने वालों से संपर्क साधने के लिए इंटरनेट पर सर्च करते हैं।

लोगों से ठगी करने के लिए आरोपियों ने ऑनलाइन प्लेटफार्म का सहारा लिया हुआ था। आरोपियों ने ऑनलाइन प्लेटफॉर्म इंडियामार्ट के ऊपर मेडीफ्लेक्स इंजीनियर्स पुणे के नाम से एक फर्जी कंपनी को रजिस्टर करवा रखा था जिसके माध्यम से इंडियामार्ट वेबसाइट पर कंसंट्रेटर सर्च करने वालों का फोन नंबर आरोपियों तक पहुंच जाता था।

इसके पश्चात आरोपी कंसंट्रेटर खरीदने वालों से फोन पर संपर्क करते थे और बाकी जगह मिल रहे कंसंट्रेटर के दाम से कुछ कम दाम बता कर लोगों से अलग-अलग खातों में पैसे डलवा लेते थे जिसका प्रबंधन आरोपी ललित द्वारा किया जाता था।इसी तरीके का उपयोग करके आरोपियों ने फरीदाबाद के बीपीटीपी थानाक्षेत्र के रहने वाले सुमित से ऑक्सीजन कंसंट्रेटर के नाम पर 97400 रुपए हड़प लिए जिसकी शिकायत फरीदाबाद के साइबर थाना में करने के पश्चात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी और षड्यंत्र की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया।

आरोपियों की धरपकड़ के लिए साइबर थाना प्रबंधक इंस्पेक्टर बसंत कुमार की अगुवाई में टीम का गठन किया गया जिसमें उप निरीक्षक राजेश कुमार, योगेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक बाबूराम, नीरज, सत्यवीर, मुख्य सिपाही देवेंद्र, महिला मुख्य सिपाही अंजू, सिपाही बिजेंदर, अंशुल, संदीप, आजाद और अमित का नाम शामिल है।

साइबर टीम की कड़ी मशक्कत और साइबर तकनीक ने रंग दिखाया और पुलिस ने आरोपियों को दिल्ली एनसीआर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।आरोपियों के कब्जे से 8.85 लाख रुपए नगद, 25 सिम कार्ड, 26 एटीएम, 2 आधार कार्ड, 7 मोबाइल फोन और वारदात में प्रयोग स्विफ्ट कार बरामद की गई है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियों ने एनसीआर क्षेत्र में की गई कई वारदातों का खुलासा किया है जिसमें उन्होंने लोगों के साथ करोड़ों रुपए की धोखाधड़ी की है जिसकी पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।गिरफ्तार किए गए आरोपियों में विशाल और चंद्रशेखर उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, नितीश गाजियाबाद, ललित मुजफ्फरनगर और आरोपी अभिनव दिल्ली का रहने वाला है।

पूछताछ पूरी करने के पश्चात पुलिस ने आरोपी विशाल उर्फ रोहदास तथा चंद्रशेखर को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है तथा आरोपी ललित को पुलिस रिमांड पर लिया गया है। आरोपी ललित ग्राहकों से ट्रांसफर करवाए गए पैसों का प्रबंधन करता था इसलिए ललित द्वारा भिजवाए गए विभिन्न खातों में से पैसों की बरामदगी की जाएगी।

हरियाणा में वैक्सीन की बदइंतजामी के बीच वाट्एसऐप पर फर्जी संदेशों की बाढ़

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: हरियाणा और देश के अन्य राज्यों के ग्रामीण अंचलों में वैक्सीन की बदइंतजामी और सरकारी सेंटरों पर वैक्सीन के गायब होने की सूचनाओं के बीच यह खबर गौर करने लायक है कि ग्रामीण वैक्सीन लगवाने से हिचकिचा रहे हैं। ये खबरें सभी चैनल लगातार दिखा रहे हैं, हिन्दी अख़बारों में भी कुछ ऐसी खबरें हैं। एक साजिश के तहत इसका प्रचार हो रहा है। फरीदाबाद के तमाम वैक्सीनेशन सेंटरों से भी ऐसी ही सूचनाएं आ रही हैं।

इन खबरों के पीछे एक मकसद है।

इसे जानबूझकर प्रचारित किया जा रहा है। वैक्सीन के लिए शोर मचा हुआ है। लेकिन वैक्सीन मिल नहीं रही है। स्लाट की बुकिंग तक बंद है। स्पष्ट है कि जब वैक्सीन सरकार सप्लाई ही नहीं कर पा रही है तो लोगों को लगे कैसे? जबकि प्रचार हो रहा है कि गाँवों में लोग वैक्सीन लगवाने से हिचकिचा रहे हैं।

यही खेल है। गाँवों में वैक्सीन को लेकर लोगों की हिचकिचाहट का प्रचार सरकार करवा रही है, क्योंकि उसके पास वैक्सीन है ही नहीं गाँवों की आपूर्ति के लायक। शहरों में सूचना छिप नहीं पाती। जनता को तमाम माध्यमों से सच पता चल जाता है। सरकार की एक घटिया रणनीति यह सामने आई कि गाँवों में वैक्सीन पहुँच नहीं पाई। जून तक शहरों के लिये वैक्सीन आएगी फिर गाँवों का नंबर आएगा।

लेकिन प्रचार तंत्र की एक और कहानी आज सामने आई। वाट्सऐप समूहों में उस फ़्रांसीसी वैज्ञानिक लूस मांटेजिनियर का इंटरव्यू घूम रहा है, जिसमें उसने कथित तौर पर कहा था था कि जिन्हें वैक्सीन लगी है वे सभी मर जाएँगे। वाट्सऐप पर यह संदेश असर दिखा रहा है और लोग उस वैज्ञानिक की बात पर भरोसा कर रहे हैं। हालांकि भारत सरकार खुद उस वैज्ञानिक के दावों का खंडन कर चुकी है लेकिन वाट्सऐप में फैल रहे इस संदेश को जानबूझकर भी फैलने दे रही है।

ज़ाहिर है कि यह वाट्सऐप संदेश सरकार के फ़ायदे के लिए है। क्योंकि वैक्सीन की बदइंतज़ामी के लिये भी तो यही आपके प्यारे मोदी जी ही जिम्मेदार हैं। जो टीवी पर हांकते थे कि वैक्सीन का पूरा प्लान तैयार हैं लेकिन उसी दौरान हमारे देश की वैक्सीन विदेशों को बेच दी गई, भेज दी गई। सीरम इंस्टिट्यूट का मालिक अदार पूनावाला लंदन चला गया।

हमने फ्रांस के उस नोबेल पुरस्कार विजेता लूस मांटेजिनियर (Luc Montagnier) के इंटरव्यू के तह में जाने की कोशिश की। कुछ तथ्य सामने आए हैं। इंटरव्यू फ्रांस में हुआ। उसे अमेरिका की रेयर फ़ाउंडेशन ने अनुवाद किया और और अपनी वेबसाइट रेयर फ़ाउंडेशन पर प्रकाशित किया। भारत समेत तमाम देशों ने रेयर फ़ाउंडेशन की वो खबर उठाकर अपने यहाँ छाप दी। दिखा दी। भारत में सबसे पहले अर्णब गोस्वामी के चैनल ने इसे फ़्लैश करना शुरू किया। रेयर फ़ाउंडेशन अमेरिका में इस्राइली मूल के लोगों की संस्था है जिसमें इस्राइली सरकार की फंडिंग है।रेयर फ़ाउंडेशन की पूरी वेबसाइट फिलिस्तीनियों और मुसलमानों के खिलाफ नफ़रत फैलाने वाले कंटेंट से भरी पड़ी है।

रेयर फ़ाउंडेशन का भारत में आरएसएस से भी रिश्तों पर छानबीन ज़रूरी है। वाट्सऐप ग्रुपों में रेयर फ़ाउंडेशन का संदेश किसने फैलाया? कम से कम वाट्सऐप के भारतीय मैनेजमेंट को तो पता है कि वह या वे कौन लोग हैं जिन्होंने सबसे पहले देशभक्तों के वाट्सऐप ग्रुप में डाला और उसे लगातार फ़ॉरवर्ड किया जा रहा है। यह गहन जाँच का विषय है। फिलहाल अभी नागपुरी संगठन पर कोई आरोप नहीं लगा है। लेकिन रेयर फ़ाउंडेशन किसके कहने पर वैक्सीन के खिलाफ़ ऐसी हरकत कर रहा है या उससे करवाया जा रहा है।

जब फ्रांस के वैज्ञानिक का इंटरव्यू छपा था तो उसे वहाँ के ही वैज्ञानिकों ने ख़ारिज कर दिया था। मजाक भी उड़ाया गया। दुनियाभर में उनकी बात को रिजेक्ट किया गया। इसे कांस्पिरेसी थ्योरी (साजिशी अप्रोच) से भी जोड़ा गया। लूस मांचेजिनियर को लेकर तमाम तरह के विवाद हैं और यह फ्रांसीसी वैज्ञानिक कई बार सनकी बातें भी करता है। बहरहाल, उनकी क़ाबिलियत को चुनौती नहीं दी जा रही है। उनके बारे में तमाम तरह के विवाद आपको कहीं न कहीं पढ़ने को मिल जाएँगे। अमेरिका, ब्रिटेन, खुद फ्रांस, कनाडा व अन्य विकसित देशों में वैक्सीन लग चुकी है और वहाँ जिन्दगी लौट रही है। ऐसे में हम लोग वैक्सीन की वैज्ञानिकता को कैसे ख़ारिज कर दें।

डबुआ पुलिस की अनुचित कार्यशैली से परेशान है परिवार

फरीदाबाद, (ममो): डबुआ कॉलोनी के मकान नं ए-455 निवासी राजकुमार ने बताया कि वह उक्त पते पर अपने बाल-बच्चों व एक भाई के साथ रहता है। उसके ठीक सामने वाले घर में सुषमा शर्मा नामक विधवा महिला अपने माता-पिता व अपने 22 वर्षीय बेटे के साथ बीते करीब 10-12 साल से रह रही है जो बतौर गेस्ट टीचर कालोनी के ही सरकारी प्राइमरी स्कूल में कार्यरत है। दिनांक 14.05.21 को सुषमा के बेटे राजीव ने गली में अपनी कार के पास खड़ी उसकी पत्नी को पीछे से जफ्फी डालकर अश्लील हरकत की व काफी गंदी भाषा का प्रयोग किया। राजकुमार को जब इसका पता चला तो उसने तुरंत पुलिस के विभिन्न नम्बरों पर फोन किये, कोई जवाब न मिलने पर बौखलाये राजकुमार ने अपने दरवाजे से ही सुषमा को उसके बेटे की हरकत का विरोध करते हुए कड़े शब्दों का प्रयोग किया तो सुषमा ने अपने ही दरवाजे पर खड़े होकर राजकुमार के विरोध की वीडियो बनाकर पुलिस को फोन कर दिया जो पुलिस राजकुमार की शिकायत पर टस से मस नहीं हो रही थी वही पुलिस सुषमा के फोन पर दौड़ी चली आई तथा राजकुमार को थाने ले गयी।

ऐसा कोई पहली बार नहीं हुआ, बीते करीब दसियों साल से पुलिस का यह एकतरफा खेल चल रहा है। इस दौरान पुलिस ने राजकुमार व उसके परिजनों के खिलाफ एफआईआर नं. 198/18 एफआईआर नं. 206/21 जेर धारा 323, 506, 34 आदि के तहत दर्ज की है। इसके अलावा 107/151 की कार्यवाहियां भी कई बार कर डाली। खास बात यह है कि 107/151 की कार्यवाही में पुलिस राजकुमार के तो सारे परिवार को जकड़ लेती है लेकिन सुषमा के घर से केवल एक को ही। कानूनी एवं कागजी कार्यवाही के अलावा बयानबाजी के द्वारा पुलिस जो प्रताड़ना राजकुमार परिवार को देती है उसका तो कोई हिसाब ही नहीं। इन मुकदमों में एक खास बात यह भी रही है कि राजकुमार का जो भाई विदेश में है और जो बहन पानीपत जिले के गांव चुलकाना स्थित अपनी ससुराल में रहती है, उनके नाम भी शिकायत में लिखे रहते हैं। यदि पुलिस की नीयत थोड़ी सी भी साफ हो तो यह झूठ तुरन्त पकड़ा जा सकता है। इसके अलावा बतौर सबूत सुषमा द्वारा पेश की गयी लगभग सभी वीडियों 'डाक्टर्ड' यानी छेड़छाड की हुई होती है।

लेकिन ये सब बातें तो केवल तभी महत्व रखती हैं जब पुलिस को इंसाफ की राह पर चलना हो। पुलिस की इस मेहरबानी के पीछे सुषमा के राजनेताओं से मधुर संबंधों को माना जाता है। वैसे स्कूल में इनकी नियुक्ति भी तत्कालीन मंत्री स्वर्गीय शिवचरण लाल शर्मा जी ने ही कराई थी। इसके अलावा वह विधवा अबला होने का जो नाटक करती है, उससे भी उसको काफी सहारा मिल जाता है।

जांच पड़ताल करने पर पता चला कि स्कूल में भी उसका ऐसा ही व्यवहार रहता है। किसी भी सहकर्मी पर आरोप लगा देती है कि वह उसको घूरता रहता है। इस तरह की शिकायतों को लेकर दो खंड शिक्षा अधिकारियों ने जांच करके पाया कि सुषमा को कुछ मनोवैज्ञानिक समस्या है, इसके लिए उन्होंने 'साइकिक' शब्द का प्रयोग किया है।

दुख की बात तो यह है कि 107/151 के मामलों में दोनों पक्ष डीसीपी अर्पित जैन व डीसपी अंशुल सिंगला के सामने भी पेश हो चुके हैं, लेकिन उन्होंने भी मामले की गहराई को समझे बिना धर्म-धक्का देकर केस निपटा दिया।

पुलिस की इस उदासीनता एवं एकतरफा व अन्यायपूर्ण कार्यवाही से राजकुमार परिवार भयंकर अवसाद की स्थिति से गुजर रहा है जिसकी परिणती कभी किसी भयंकर अनहोनी के रूप में हो सकती है। इस हालत में जवाबदेही तो पुलिस की भी बनेगी ही।

घर बैठे प्राप्त करें मज़दूर मोर्चा

आज ही अपने हॉकर से कहें, कोई दिक्कत हो तो शर्मा न्यूज एजेंसी से फोन नं 9811159238 पर बात करें। बल्लभगढ़ के पाठक अरोडा न्यूज एजेंसी से 9811477204 पर बात करें।

अन्य बिक्री केन्द्र :

1. **प्रिंट फोर्ट, टेलीफोन एक्सचेंज के सामने नेहरू ग्राउंड।**
2. **रेलवे बुक स्टाल ओल्ड रेलवे स्टेशन**
3. **एनआईटी रेलवे स्टेशन के बाहर बाटा चौक पुल के नीचे।**
4. **जितेन्द्र, बाटा सेंटर - 9971064207**
5. **राम खिलावन-बल्लभगढ़ बस स्टैंड के सामने 9891164794**
6. **मोती पाहुजा - मिनार गेट पलवल, 9255029919**
7. **सुरेन्द्र बघेल - बस अड्डा होडल - 9991742421**